अवैध तारों का जाल हटाने गई बीएसईएस टीम पर हमला इंजीनियर गंभीर रूप से घायल, लाइनमैन भी जख्मी

सीढ़ी खींचकर लाइनमैन को बिजली के पोल से गिराया

नई दिल्लीः 7 मार्च। बिजली के खंभों पर फैले अवैध तारों का जाल हटाने गई बीवाईपीएल टीम पर स्थानीय गुंडों ने हमला कर दिया, जिसमें बीवाईपीएल का एक इंजीनियर गंभीर रूप से घायल हो गया। लोहे के धारदार पैन से किए गए इस हमले में इंजीनियर की गर्दन और छाती पर चोटें आई हैं। बिजली के पोल पर कार्य कर रहे बीवाईपीएल के एक लाइनमैन को भी गुंडों ने सीढ़ी खींचकर पोल से गिरा दिया, जिसमें लाइनमैन जख्मी हो गया। हमलावरों से बचने को कोई रास्ता न देख, बीएसईएस टीम ने पुलिस कंट्रोल रूम में फोन कर पुलिस को मदद के लिए बुलाया। घटना पूर्वी दिल्ली के गीता कॉलोनी स्थित शास्त्री नगर की है।

बिजली के खंभों पर से अवैध तारों को हटाने गई टीम अपना कानून–सम्मत कार्य कर रही थी, लेकिन वे जैसे ही शास्त्री नगर के मकान नंबर 22/23, खसरा नंबर 38 के पास पहुंचे, अचानक कुछ गुंडों ने उन पर हमला कर दिया। टीम का नेतृत्व कर रहे इंजीनियर के सिर पर पीछे से वार किया गया।

गुंडे वहां स्थित एक प्रोपर्टी डीलर की दुकान से बाहर निकले थे। हमलावरों में वह प्रोपर्टी डीलर भी शामिल था। गीता कॉलोनी पुलिस ने इस मामले में एफआईआर दर्ज की गई थी। इस बीच, पुलिस ने कुछ संदिग्धों को पकड़ा है और आगे की जांच की जा रही है।

उधर, पश्चिमी दिल्ली में नजफगढ़ के झटिकरा गांव में बिजली चोरी की जांच करने गई बीआरपीएल टीम पर असामाजिक तत्वों ने हमला कर दिया, जिसमें टीम लीडर सहित बीआरपीएल के तीन अधिकारी घायल हो गए। इस जांच टीम में महिला अधिकारी भी शामिल थीं। सटीक सूचना के आधार पर टीम ने इस क्षेत्र में बिजली चोरी के दो मामले पकड़े। उसके बाद, अचानक, एक ग्रामीण ने 50–60 लोगों को वहां बुला लिया, जिन्होंने बीआरपीएल टीम के साथ मार–पीट की। टीम के सदस्यों पर पत्थरों और रॉड्स से हमला किया गया। ऐसा तब हुआ, जबकि बीआरपीएल टीम के साथ पुलिस भी थी। ऐसे में, इन असामाजिक तत्वों के दुस्साहस को समझा जा सकता है।

बीएसईएस प्रवक्ता के मुताबिक, ऐसे मामले अपवाद नहीं हैं। अनियमितताओं को रोकने के डिस्कॉम्स के प्रयासों को कानून तोड़ने वाले लोगों द्वारा अक्सर नाकाम करने की कोशिश की जाती है। इन कथित संवेदनशील इलाकों में जब डिस्कॉम्स की टीमें जाती हैं, तो ये आपराधिक तत्व उन्हें घेर लेते हैं और उन्हें काम करने से रोकने की कोशिश करते हैं। बिजली की चोरी ने एक व्यवस्थित अपराध का रूप ले लिया है और इसमें डिस्कॉम्स को पुलिस के और अधिक सक्रिय सपोर्ट की जरूरत है।

गौरतलब है कि बिजली चोरी से न सिर्फ राजस्व का नुकसान होता है, बल्कि यह बिजली वितरण के नेटवर्क को भी ओवरलोडेड कर देता है। नेटवर्क पर अवैध लोड का खामियाजा ईमानदार उपभोक्ताओं को भुगतना पड़ता है। इससे बिजली की आपूर्ति पर भी नकारात्मक असर पड़ता है। तमाम उपायों के बावजूद, कई ऐसे क्षेत्र हैं, जहां अभी भी बड़े पैमाने पर बिजली की चोरी हो रही है। अत्यधिक बिजली चोरी वाले कुछ इलाके ये हैं– दरियागंज, चांदनी महल, तुर्कमान गेट, करावल नगर, सीलमपुर, यमुना विहार, मंडावली, दल्लुपुरा, नजफगढ़, जाफरपुर, मंडका, बदरपुर, शाहीनबाग, आदि।

दिल्ली की प्रमुख बिजली वितरण कंपनियां बीआरपीएल और बीवाईपीएल रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के बीच संयुक्त उद्यम हैं।